otzikr ls cpko ds mik;%

ctzikr ds y{k.k&

- मॉनसून (जून से सितम्बर) की तुलना में प्री–मॉनसून (अप्रैल से मध्य जून) अवधि में वज्रपात की घटनाएँ अधिक एवं घातक होती हैं।
- मॉनसून या प्री–मॉनसून अवधि में 10–15 दिनों की गर्मी के बाद की पहली बारिश में वज्रपात अवश्यम्भावी है।
- यदि आकाश में अचानक कम ऊँचाई वाले घने काले एवं लटकते बादल दिखें, तो पहली बूंद के एक घंटे बाद कभी भी और कहीं भी वज्रपात हो सकता है।
- आप जहाँ मौजूद हैं वहां से 5 किलोमीटर की परिधि के भीतर कहीं भी बिजली चमकती है या ठण्का गिरता है तो समझ लें कि अगला झटका आपके पास हो सकता है।
- बिजली चमकने और गड़गड़ाहट की आवाज के बीच का अन्तराल 30 सेकेण्ड से भी कम हो या आपके सर के बाल खड़े हो जाए तथा आकाश में गहरे आसमानी रंग का घेरा दिखे तो समझ लें कि तुरंत वज्रपात होने वाला है।

lko/kkfu;k

- ✓ बिजली की चमक देख तथा गड़गड़ाहट की आवाज सुनकर ऊँचे एवं एकल पेड़ों के नीचे नहीं जाएँ।
- ✓ यदि आप जंगल में हों तो बौने पेड़ों एवं घनी झाड़ियों की शरण में चले जाएँ।
- ✓ ऊँचे पेड़, पहाड़ी धातु के कमरे या टावर से कम से कम उनकी ऊँचाई के बराबर की दूरी तक हट जाएँ।
- ✓ वृक्षों, दलदल वाले स्थलों तथा जल श्रोतों से यथासंभव दूर रहें परन्तु खुले आकाश में रहने से अच्छा है कि छोटे पेड़ों के नीचे रहें।
- ✓ खुले आकाश में रहने को बाध्य हों तो नीचे के स्थलों को चुनें। एक साथ कई आदमी इकट्ठे न हों। दो लोगों के बीच की दूरी कम से कम 15 फीट हो।
- ✓ मेबाइल फोन का उपयोग कदापि न करें, बेहतर होगा इसे स्विच ऑफ कर लें।
- ✓ गीले खेतों में हल चलाते, रोपनी या अन्य कार्य कर रहे किसान तथा मजदूर या तालाब में कार्य कर रहे व्यक्ति तुरन्त सूखे एवं सुरक्षित स्थान पर जाएँ।
- ✓ तैराकी कर रहे लोग, मछुआरे आदि अविलम्ब पानी से बाहर निकल जाएँ।

- ✓ यदि आप खेत–खलिहान में काम कर रहें हों तथा किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पाये हों तोः
  - ✦ जहाँ हैं वहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें जैसे लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें।
  - ✦ दोनों पैरों को आपस में सटा लें एवं दोनों हाथों को घुटनों पर रखकर अपने सिर को जमीन की तरफ यथासंभव झुका लें और सिर को जमीन से न छुआएँ।
  - ✦ जमीन पर कदापि न लेटें।
- ✓ धातु से बनें कृषि यंत्र, डंडा आदि से अपने को दूर कर लें।
- ✓ गाँव, खेत, खलिहान, बाग–बगीचे तथा मकान की घेराबन्दी तारों से न करें क्योंकि यह बज्रपात को आसानी से आकर्षित करता है।
- ✓ धातु की डंडी वाले छाते का उपयोग न करें ।
- ✓ टेलीफोन व बिजली के पोल तथा टेलीफोन व टेलीवीजन टावर से दूर रहें ।
- ✓ यदि दो पहिया वाहन, साइकिल, ट्रक, ट्रैक्टर, नौका आदि पर सवार हों तो तुरन्त उतरकर सुरक्षित स्थानों पर चलें जाएँ । वज्रपात के दौरान वाहनों पर सवारी न करें ।
- ✓ अपने घरों तथा खेत खलिहानों के आस–पास कम ऊँचाई वाले उन्नत किस्म के फलदार वृक्ष समूह लगाएँ।
- ✓ ऊँचे पेड़ के तनों या टहनियों में तांबे का एक तार स्थापित कर जमीन में काफी गहराई तक दबा दें ताकि पेड़ सुरक्षित हो जाएँ ।
- ✓ यदि घर में हों तो पानी का नल, फ्रिज, टेलीफोन आदि को न छुएँ और उनसे दूर रहें तथा बिजली से चलने वाले यन्त्रों को बन्द कर दें ।
- ✓ कपड़े सुखाने के लिए तार का प्रयोग न कर जूट या सूत की रस्सी का उपयोग करें ।
- ✓ मजबूत छत वाला पक्का मकान सबसे सुरक्षित स्थल है ।
- ✓ यदि सम्भव हो तो अपने घरों में तड़ित चालक लगवा लें ।
- ✓ आखरी बार गड़गड़ाहट की आवाज सुनने के आधे घंटे तक ऐसा दोबारा न हो तो आप आवागमन कर सकते हैं ।

सावधानी बरतो, खुशहाली लाओ,
आपदाओं से अपनी जान बचाओ।

झारखण्ड सरकार

ftyk vkink izca/ku izkf/kdkj] jkph